

**Title:**Demand to retain the Hardwar District in Uttar Pradesh.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चैल) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हरिद्वार की भौगोलिक और धार्मिक स्थिति को देखते हुए उसे उत्तर प्रदेश से अलग करके उत्तरांचल में समाहित करना न्यायसंगत नहीं है। इस पर निर्णय करने से पूर्व इसकी प्रासंगिकता पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। हरिद्वार जनपद से हिन्दू धर्मावलम्बी ही नहीं बल्कि मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं भी जुड़ी हैं। हर की पौड़ी पर कल्यार शरीफ जो दोनों धर्मों की आस्था के प्रतीक हैं, भी जुड़ा है। हरिद्वार को अगर नए राज्य में शामिल किया गया तो दोनों धर्मों के लोगों की भावनाएं आहत होंगी। संशोधित विधेयक जिस में उत्तरांचल में हरिद्वार को सम्मिलित करने का प्रस्ताव है, सरकार के विचाराधीन है। मेरी सरकार से मांग है कि हरिद्वार को उत्तर प्रदेश में ही रहने दिया जाए। उसे उत्तरांचल में बिल्कुल सम्मिलित न किया जाए।

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, I would like to raise a very important matter regarding women.  
... (Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं खड़ा हूँ तो आप बैठ जाइए।

Hon. Members, you know that yesterday also, only very few Members could participate in the 'Zero Hour'. Today, there is a leaders' meeting at 1 p.m. There is only a list of limited names which the hon. Speaker has drawn and given to me. I am proceeding according to that list only.  
... (Interruptions)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): हमें अध्यक्ष महोदय ने कहा था कि हमें बोलने का चांस मिलेगा।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अगर आपका नाम होगा तो बोलने का चांस मिल जाएगा।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। अगर आपका नाम होगा तो मैं आपको बुलाऊंगा।

... (व्यवधान)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, he is disturbing everybody. Nobody is able to speak if he interrupts like this.

... (Interruptions)

SHRI PRITHVIRAJ D. CHAVAN (KARAD): Sir, do not give him a chance if he disturbs everybody.

उपाध्यक्ष महोदय : अगर आप ऐसे खड़े होंगे तो आपका नाम होने पर भी नहीं बुलाया जाएगा।